CBSE Class 10 - Hindi A

Sample Paper 07 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब।
ii. खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उप प्रश्न दिए गये है।
iii. खंड-ब में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
iv. दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है। समाचार पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। ऐसा लगता है देश में कोई ईमानदार आदमी रह ही नहीं गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस समय सुखी वही है, जो कुछ है। जो कुछ नहीं करता, जो भी कुछ करेगा, उसमें लोग दोष खोजने लगेंगे। उसके सारे गुण भुला दिये जायेंगे और दोषों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाने लगेगा। दोष किसमें नहीं होते? यही कारण है कि हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम या बिलकुल ही नहीं। यह चिंता का विषय है।

तिलक और गांधी के सपनों का भारतवर्ष क्या यही है? विवेकानंद और रामतीर्थ का आध्यात्मिक ऊँचाई वाला भारतवर्ष कहाँ है? रवींद्रनाथ ठाकुर और मदनमोहन मालवीय का महान, सुसंस्कृत और सभ्य भारतवर्ष पतन के किस गहन गर्त में जा गिरा है? आर्य और द्रविड़, हिंदू और मुसलमान, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलनभूमि 'महामानव समुद्र' क्या सूख ही गया है? यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ और फरेब का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सचाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है, किंतु ऐसी दशा से हमारा उद्धार जीवन-मूल्यों में आस्था रखने से ही होगा। ऐसी स्थिति में हताश हो जाना ठीक नहीं है।

I. 'मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है' का आशय क्या है?
   i. देश की दुर्दशा को देखकर लेखक का चिंतित होना
   ii. लेखक का मन बैठ जाना
   iii. लेखक को घबराहट होना
   iv. लेखक के द्वारा मन को बिठाना

II. इस समय सुखी कौन है?

i. जो कुछ भी करता है
ii. जो कुछ भी नहीं करता है
iii. जो काम करता है
iv. जो चिंतन करता है

III. लेखक ने चिंता का विषय किसे माना है?
i. लोगों का गुणी कम और दोषी अधिक होना
ii. लोगों का गुणी अधिक और दोषी कम होना
iii. लोगों का दोषी होना
iv. लोगों का गुणी होना

IV. मूर्खता का पर्याय किसे समझा जाने लगा है?
i. दोषों को
ii. गुणों को
iii. ईमानदारी को
iv. सत्यता को

V. आज समाज में जीवन-मूल्यों की स्थिति क्या है?
i. उनके बारे में लोगों की आस्था हिलने लगी है
ii. उनके बारे में लोगों की आस्था मज़बूत हो गई है
iii. उनके बारे में लोगों ने सोचना बंद कर दिया है
iv. इनमें से कोई नहीं

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

भारत में हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य देश को खाद्यान्न मामले में आत्मनिर्भर बनाना था, लेकिन इस बात की आशंका किसी को नहीं थी कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल न सिर्फ खेतों में, बल्कि खेतों से बाहर मंडियों तक में होने लगेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग खाद्यान्न की गुणवत्ता के लिए सही नहीं है, लेकिन जिस रफ़्तार से देश की आबादी बढ़ रही है, उसके मद्देनज़र फ़सलों की अधिक पैदावार ज़रूरी थी। समस्या सिर्फ रासायनिक खादों के प्रयोग की ही नहीं है। देश के ज़्यादातर किसान परंपरागत कृषि से दूर होते जा रहे हैं। दो दशक पहले तक हर किसान के यहाँ गाय, बैल और भैंस खूटों से बँधे मिलते थे। अब इन मवेशियों की जगह ट्रैक्टर-ट्राली ने ले ली है। परिणामस्वरूप गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद खेतों में गिरनी बंद हो गई। पहले चैत-बैसाख में गेहूँ की फ़सल कटने के बाद किसान अपने खेतों में गोबर, राख और पत्तों से बनी जैविक खाद डालते थे। इससे न सिर्फ खेतों की उर्वरा-शक्ति बरकरार रहती थी, बल्कि इससे किसानों को आर्थिक लाभ के अलावा बेहतर गुणवत्ता वाली फसल मिलती थी।

I. हमारे देश में हरित क्रांति का उद्देश्य क्या था?
i. देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में उन्नत बनाना

ii. देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना

iii. देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में परतंत्र बनाना

iv. देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर न बनाना

II. खाद्यान्नों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए किनका प्रयोग सही नहीं था?

i. रासायनिक उर्वरकों का

ii. कीटनाशकों का

iii. दोनों विकल्प सही हैं

iv. दोनों विकल्प सही नहीं हैं

III. विशेषज्ञ हरित क्रांति की सफलता के लिए क्या आवश्यक मानने लगे?

i. रासायनिक खाद का प्रयोग

ii. जैविक खाद का प्रयोग

iii. कृत्रिम खाद का प्रयोग

iv. प्राकृतिक खाद का प्रयोग

IV. रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक का प्रयोग क्यों आवश्यक हो गया?

a. हरित क्रांति के कारण

b. बढ़ती आबादी के कारण

c. घटती आबादी के कारण

d. फसल के कारण

V. हरित क्रांति का मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर क्या असर हुआ?

i. वह कम हो गई

ii. वह बढ़ गई

iii. वह औसत हो गई

iv. वह औसत से अधिक हो गई

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

बस फूलों का बाग नहीं, जीवन में लक्ष्य हमारा,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
थोड़ी मात्र सफलता से ही, जो संतोष किए हैं,
घर की चारदिवारी में मस्ती के साथ जिए हैं।
क्या मालूम उन्हें कितना परियों का लोक सुहाना,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
चलते-चलते नहीं पड़े, जिनके पैरों में छाले,
खुशियाँ क्या होती हैं, वे क्या जानेंगे मतवाले।
सुख काँटों के पथ से है, बचने का नहीं बहाना,

उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
एक बाग क्या, जब धरती पर बंजर मौज मनाएँ,
एक फूल क्या, जब पग-पग काँटे जाल बिछाएँ।
गली-गली में, डगर-डगर में है नंदन लहराना,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।

I. कवि ने फूलों का बाग़ किसे नहीं कहा है ?
   i. लक्ष्य को
   ii. जीवन को
   iii. संतोष को
   iv. खुशियों को

II. असली खुशियों के बारे में कौन नहीं जानते हैं?
   i. जिनके पैरों में छाले पड़ते हैं
   ii. जिनके पैरों में छाले नहीं पड़ते
   iii. जो परीलोक में विचरण करते हैं
   iv. जो काँटों पर चलते हैं

III. काव्यांश के माध्यम से कवि ने क्या सन्देश दिया है ?
   i. निरंतर चलते रहने का
   ii. रुकने का
   iii. थमने का
   iv. झुकने का

IV. परियों के सुहाने लोक के बारे में किन्हें पता नहीं लग पाता है ?
   i. जो निरंतर प्रयास करते हैं
   ii. जो कठिनाइयों से घबराते हैं
   iii. जो घर की चारदीवारी में रहते हैं
   iv. जो मुसीबतों का सामना करते हैं

V. कवि ने सफलता के बारे में क्या कहा है ?
   i. हमें थोड़ी सफलता में ही संतोष क्र लेना चाहिए
   ii. हमें थोड़ी सफलता में संतोष नहीं करना चाहिए
   iii. हमें घर की चारदीवारी में ही मस्त रहना चाहिए
   iv. सभी विकल्प सही हैं

OR

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

कोलाहल हो,
या सन्नाटा, कविता सदा सृजन करती है,
जब भी आँसू
कविता सदा जंग लड़ती है।
यात्राएँ जब मौन हो गईं
कविता ने जीना सिखलाया
जब भी तम का
जुल्म चढ़ा है, कविता नया सूर्य गढ़ती है,

जब गीतों की फ़सलें लुटती
शीलहरण होता कलियों का,
शब्दहीन जब हुई चेतना हुआ पराजित,
तब-तब चैन लुटा गलियों का जब भी कर्ता हुआ अकर्ता,
जब कुरसी का
कंस गरजता, कविता स्वयं कृष्ण बनती है।
अपने भी हो गए पराए कविता ने चलना सिखलाया।
यूँ झूठे अनुबंध हो गए
घर में ही वनवास हो रहा
यूँ गूंगे संबंध हो गए।

I. कविता की प्रवृत्ति किस तरह की बताई गई है?
   i. सदा सृजन करने वाली
   ii. सदा विनाश करने वाली
   iii. सदा सुनने वाली
   iv. सदा सुनाने वाली
II. 'कविता सदा जंग लडती है' - पंक्ति का भाव क्या है?
   i. कविता हारे हुए को सांत्वना देती है।
   ii. कविता संघर्ष की प्रेरणा देती है।
   iii. कविता चुनौती स्वीकार करने को बाध्य करती है।
   iv. कविता आनंद देती है।
III. कविता जीना कब सिखाती है?
   i. जब कर्मठ अकर्मण्य हो जाता है।
   ii. जब लोग मौन हो जाते हैं।
   iii. जब लोग हार जाते हैं ।

iv. जब लोग सन्यास लेने की सोचने लगते हैं।

IV. जब निराशा और अंधकार पाँव पसारते हैं तब प्रेरणा कहाँ से मिलती है?

i. स्वयं से

ii. समस्याओं से

iii. लोगों से

iv. कविता से

V. 'परस्पर संबंधों में दूरियां बढ़ने लगीं' - यह भाव किस पंक्ति में आया है?

i. यूँ गूँगे संबंध हो गए

ii. शब्दहीन हुई अब चेतना

iii. यात्राएं जब मौन हो गई

iv. जब गीतों की फसलें लुटती

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

a. दो

b. तीन

c. चार

d. एक

ii. सरल वाक्य में एक कर्ता और एक _____ का होना आवश्यक है।

a. सर्वनाम

b. क्रिया

c. विशेषण

d. संज्ञा

iii. संज्ञा उपवाक्य किसका भेद है ?

a. मिश्र वाक्य का

b. विशेषण उपवाक्य का

c. संयुक्त वाक्य का

d. सरल वाक्य का

iv. पिताजी चाय पिएंगे या कॉफ़ी - रचना के आधार पर कौन से प्रकार का वाक्य है ?

a. संयुक्त वाक्य

b. मिश्र वाक्य

c. सरल वाक्य

d. क्रिया विशेषण

v. उसने कहा। वह जयपुर जा रहा है। - वाक्य का उचित मिश्र वाक्य होगा -

a. उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

b. उसने अपने जयपुर जाने के के बारे में कहा।

c. वह कल जयपुर जाएगा उसने ऐसा कहा।

d. उसने कहा था वह कल जयपुर जाएगा।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाच्य के कितने प्रकार हैं ?

a. तीन

b. चार

c. एक

d. दो

ii. कर्तृवाच्य में किसकी प्रधानता होती है ?

a. कर्ता की

b. कर्म की

c. भाव की

d. क्रिया की

iii. कर्म की प्रधानता वाला वाच्य होता है -

a. भाववाच्य

b. ये सभी

c. कर्तृवाच्य

d. कर्मवाच्य

iv. वह पैदल नहीं चल सकता - वाक्य में प्रयुक्त वाच्य लिखिए।

a. भाववाच्य

b. कर्मवाच्य

c. क्रियावाच्य

d. कर्तृवाच्य

v. सूचना, विज्ञप्ति आदि में जहाँ कर्ता निश्चित न हो, वहाँ निम्नलिखित में से कौन सा वाच्य होगा -

a. कर्मवाच्य

b. भाववाच्य

c. संज्ञावाच्य

d. कर्तृवाच्य

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाक्य में प्रयुक्त पदों का व्याकरणिक परिचय देना _____ कहलाता है।

a. अर्थ

b. शब्द

c. भाव

d. पद परिचय

ii. राधा मधुर गीत गाती है। रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. क्रिया

b. विशेषण

c. संज्ञा

d. काल

iii. वह भावुक व्यक्ति है - रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. गुणवाचक विशेषण

b. संख्यावाचक विशेषण

c. सार्वनामिक विशेषण

d. परिमाणवाचक विशेषण

iv. हमेशा तेज़ चला करो। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. विस्मयादिबोधक

b. क्रियाविशेषण

c. समुच्चयबोधक

d. संबंधबोधक

v. मैं यह दु:ख नहीं सह सकता। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. व्यक्तिवाचक संज्ञा

b. समूहवाचक संज्ञा

c. द्रव्यवाचक संज्ञा

d. भाववाचक संज्ञा

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. कहत, नटत, खिझत, मिळत, खिलत, लजियात

भरें भौंन में करत हैं नैनन ही सौं बात।

उपर्युक्त पंक्ति में प्रयुक्त रस कौनसा है ?

a. रौद्र रस

b. वीर रस

c. श्रृंगार रस

d. करुण रस

ii. वीर रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. क्रोध

b. हास

c. उत्साह

d. शोक

iii. श्रृंगार रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. प्रसन्नता

b. क्रोध

c. रति

d. विस्मय

iv. विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से रस रूप में क्या परिवर्तित हो जाते हैं ?

a. व्यभिचारी भाव

b. भाव

c. संचारी भाव

d. स्थायी भाव

v. तुझे विदा कर एकाकी अपमानित - सा रहता हूँ बेटा ?
दो आँसू आ गए समझता हूँ उनसे बहता हूँ बेटा ?
पंक्तियों में प्रयुक्त रस लिखिए।

a. रौद्र रस

b. हास्य रस

c. वीर रस

d. करुण रस

7. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया, जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह ! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किन्तु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी खबर रखने की लोगों को कहाँ फुरसत ! किन्तु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है।

I. बालगोबिन भगत के अनुसार कैसे लोग निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार होते हैं?

i. अच्छे लोग

ii. शारीरिक रूप से अक्षम

iii. जिन्हें मौत आनी हो

iv. जिसकी शादी हो

II. बीमारी और मृत्यु की ख़बर में क्या अन्तर देखा जाता है?

i. बीमारी ध्यान आकर्षित करती है

ii. मृत्यु बिना बताए आती है

iii. बीमारी में लोग मिलने नहीं आते

iv. मृत्यु ध्यान आकर्षित करती है

III. बालगोबिन भगत की संगीत साधना का उत्कर्ष किस दिन देखा गया?

i. पुत्र की मृत्यु के दिन

ii. पुत्र की शादी के दिन

iii. पुत्र के जन्म पर

iv. बहु के घर आने पर

IV. घर का पूरा प्रबंध कौन करता था?

i. बालगोबिन भगत के पुत्र

ii. बालगोबिन भगत की बहु

iii. बालगोबिन भगत

iv. गाँव वाले

V. बालगोबिन भगत का पुत्र कैसा था?

i. नालायक

ii. बहुत तेज

iii. सुस्त और बोदा

iv. किसी काम का नहीं

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. नेताजी की मूर्ति पर चश्मा कौन लगाता था ?

a. हालदार साहब

b. पानवाला

c. ड्राइवर

d. चश्मेवाला

ii. फादर बुल्के की चिंता क्या थी?

a. परिवार की चिंता

b. भारत की स्वतंत्रता

c. रोगियों एवं चर्च की चिंता

d. हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की चिंता

iii. "मानवीय करुणा की दिव्य चमक" गद्य की किस विधा पर आधारित है?

a. रेखाचित्र

b. संस्मरण

c. कहानी

d. आत्मकथा

9. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

कहीं साँस लेते हो,
घर-घर भर देते हो,
उड़ने को नभ में तुम
पर-पर कर देते हो,
आँख हटाता हूँ तो
हट नहीं रही है।
पत्तों से लदी डाल
कहीं हरी, कहीं लाल,
कहीं पड़ी है उर में
मंद-गंध-पुष्प-माल
पाट-पाट शोभा-श्री
पट नहीं रही है।

I. 'कहीं साँस लेते हो' का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइए कि श्वास लेने पर क्या होता है?

i. कुछ नहीं होता

ii. मन प्रफुल्लित हो जाता है

iii. वातावरण सुगंधित हो जाता है

iv. मन परेशान हो जाता है

II. फागुन मास का पेड़-पौधों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

i. वे सूख जाते हैं

ii. कोई प्रभाव नहीं होता

iii. उनमें नए पत्ते आ जाते हैं

iv. उनमें नए फल आ जाते हैं

III. **'उड़ने को नभ में तुम पर-पर कर देते हो'** का आशय स्पष्ट कीजिए।

i. कल्पना के पंख से उड़ना

ii. आकाश में उड़ना

iii. उड़ना सीखना

iv. पक्षियों का उड़ना

IV. **अट** शब्द का क्या अर्थ है?

i. बादल

ii. कठोर

iii. जगह

iv. समाना

V. उपरोक्त कविता के कवि कौन हैं?

i. नागार्जुन

ii. पंत

iii. ऋतुराज

iv. निराला

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. लक्ष्मण ने कहा कि धनुष के टूटने में _____ का कोई दोष नहीं है।

a. स्वयं

b. श्रीराम

c. दोनों

d. किसी

ii. कवि ऋतुराज जी की कविता 'कन्यादान' में लड़की अभी कैसी नही थी ?

a. व्यस्क

b. पाठिका

c. गायिका

d. सयानी

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. गर्मियों की उमस में भगत का आँगन शीतलता प्रदान करता था। कैसे?

ii. नवाब साहब खीरों की फाँकों को खिड़की से बाहर फेंकने से पहले नाक के पास क्यों ले गए? उनके इस कार्यकलाप का क्या उद्देश्य था?

iii. शीला अग्रवाल जैसी प्राध्यापिका किसी भी विद्यार्थी के जीवन को कैसे सँवार सकती हैं?

iv. फादर बुल्के की जन्मभूमि और कर्मभूमि कौन-कौनसी थीं ? कर्मभूमि की किन विशेषताओं से वे प्रभावित थे ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. 'कन्या' के साथ दान के औचित्य पर अपने विचार लिखिए।

ii. फागुन में ऐसी क्या बात थी कि कवि की आँख हट नहीं रही है?

iii. शिव धनुष को संसार किस नाम से जानता है?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. भोलानाथ बचपन में कैसे-कैसे नाटक खेला करता था ? इससे उसका कैसा व्यक्तित्व उभरकर आता है ?

ii. नाक मान-सम्मान व प्रतिष्ठा का द्योतक है। यह बात पूरी व्यंग्य रचना में किस तरह उभरकर आई है? लिखिए।

iii. **साना-साना हाथ जोड़ि** के आधार पर गंगतोक के मार्ग के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए जिसे देखकर लेखिका को

अनुभव हुआ - जीवन का आनंद है यही चलायमान सौन्दर्य!

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **स्वास्थ्य की रक्षा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- आवश्यकता
- पोषक भोजन
- लाभकारी सुझाव

ii. **आज की बचत कल का सुख** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- बचत का अर्थ एवं स्वरूप
- दुःखदायक स्थितियों में बचत का महत्त्व
- वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करना

iii. **गया समय फिर हाथ नहीं आता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- समय ही जीवन है
- समय का सदुपयोग
- समय के दुरुपयोग से हानि

15. सामाजिक सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत किसी ग्राम में सफाई अभियान के अनुभवों का उल्लेख करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

OR

किसी बस-कंडक्टर की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए परिवहन विभाग के अध्यक्ष को पत्र लिखिए।

16. टूथपेस्ट बनाने वाली कंपनी के लिए एक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

OR

मंडी हाउस नई दिल्ली मे उभरते चित्रकारों की चित्र प्रदर्शनी के लिए दर्शकों का ध्यान आकर्षित करते हुए 25-50 शब्दो मे एक विज्ञापन तैयार कीजिए |

17. नववर्ष की शुभकामना देते हुए 30-40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

OR

कोरोना जैसी महामारी से बचाव हेतु प्रधानमंत्री द्वारा सम्पूर्ण लॉकडाउन लागू करने हेतु 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi A

Sample Paper 07 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) देश की दुर्दशा देखकर लेखक का चिंतित होना
   II. (ii) जो कुछ भी नहीं करता है
   III. (i) लोगों का गुणी कम और दोषी अधिक होना
   IV. (iii) ईमानदारी को
   V. (i) उनके बारे में लोगों की आस्था हिलने लगी है

OR

   I. (i) देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना
   II. (iii) दोनों विकल्प सही हैं
   III. (i) रासायनिक खाद का प्रयोग
   IV. (ii) बढ़ती आबादी के कारण
   V. (i) वह कम हो गई

2. I. (i) लक्ष्य को
   II. (ii) जिनके पैरों में छाले नहीं पड़ते
   III. (i) निरंतर चलते रहने का
   IV. (i) जो निरंतर प्रयास करते हैं
   V. (ii) हमें थोड़ी सफलता में संतोष नहीं करना चाहिए

OR

   I. (i) सदा सृजन करने वाली।
   II. (ii) कविता संघर्ष करने की प्रेरणा देती है।
   III. (i) जब कर्मठ अकर्मण्य हो जाता है।
   IV. (iv) कविता से।
   V. (i) यूँ गूँगे संबंध हो गए।

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

   i. (b) तीन

   Explanation: रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद होते हैं - सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य।

ii. (b) क्रिया

Explanation: सरल वाक्य में एक कर्ता और एक क्रिया का होना आवश्यक होता है। इनमें से किसी भी एक के अभाव में वाक्य पूरा नहीं होता।

iii. (a) मिश्र वाक्य का

Explanation: आश्रित उपवाक्यों के तीन भेद होते हैं - संज्ञा उपवाक्य, सर्वनाम उपवाक्य और क्रियाविशेषण उपवाक्य।

iv. (a) संयुक्त वाक्य

Explanation: ये संयुक्त वाक्य का उदाहरण है क्योंकि इसमें दोनों ही वाक्य पूर्ण अर्थ लिए हुए हैं।

v. (a) उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

Explanation: कि वह कल जयपुर जाएगा - संज्ञा उपवाक्य होने के कारण मिश्र वाक्य है।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) तीन

Explanation: वाच्य के तीन भेद होते हैं -
कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य

ii. (a) कर्ता की

Explanation: कर्तृवाच्य में कर्ता की प्रधानता होती है और क्रिया कर्ता के अनुसार परिवर्तित होती है।

iii. (d) कर्मवाच्य

Explanation: कर्मवाच्य की क्रिया कर्म के अनुसार परिवर्तित होती है इसलिए कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है।

iv. (d) कर्तृवाच्य

Explanation: इस वाक्य में' पैदल चलने' की क्रिया 'वह' कर्ता के अनुसार होने के कारण यहाँ कर्तृवाच्य है।

v. (a) कर्मवाच्य

Explanation: अज्ञात कर्ता में कर्मवाच्य होता है।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) पद परिचय

Explanation: व्याकरण के नियमों के अनुसार ही वाक्य के लिंग, वचन, क्रिया आदि बताना ही पद परिचय कहलाता है।

ii. (b) विशेषण

Explanation: गीत की विशेषता बताने के कारण यह विशेषण है।

iii. (a) गुणवाचक विशेषण

Explanation: यहाँ 'भावुक' होना व्यक्ति का गुण होने के कारण गुणवाचक विशेषण है।

iv. (b) क्रियाविशेषण

Explanation: 'चलने' क्रिया की विशेषता बताने के कारण 'तेज़' क्रियाविशेषण है।

v. (d) भाववाचक संज्ञा

Explanation: 'दुःख' भाव होने के कारण भाववाचक संज्ञा है।

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

   i. (c) श्रृंगार रस

   Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण यहाँ श्रृंगार रस है।

   ii. (c) उत्साह

   Explanation: वीर रस में उत्साह की प्रधानता होने के कारण इसका स्थायी भाव उत्साह है।

   iii. (c) रति

   Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण श्रृंगार रस का स्थायी भाव रति है।

   iv. (d) स्थायी भाव

   Explanation: विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से स्थायी भाव को रस रूप में परिवर्तित कर देते हैं।

   v. (d) करुण रस

   Explanation: बेटे के जाने के बाद पिता की व्याकुलता व्यक्त होने के कारण यहाँ करुण रस की प्रधानता है।

7. I. (ii) शारीरिक रूप से अक्षम

   II. (iv) मृत्यु ध्यान आकर्षित करती है

   III. (i) पुत्र की मृत्यु के दिन

   IV. (ii) बालगोबिन भगत की बहु

   V. (iii) सुस्त और बोदा

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

   i. (d) चश्मेवाला

   Explanation: नेताजी की मूर्ति पर चश्मेवाला चश्मा लगाता था क्योंकि मूर्ति चश्माविहीन थी।

   ii. (d) हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की चिंता

   Explanation: हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की चिंता

   iii. (b) संस्मरण

   Explanation: संस्मरण

9. I. (ii) मन प्रफुल्लित हो जाता है

   II. (iii) उनमें नए पत्ते आ जाते हैं

   III. (i) कल्पना के पंख से उड़ना

   IV. (iv) समाना

   V. (iv) निराला

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

    i. (b) श्रीराम

    Explanation: क्योंकि बचपन में हमने बहुत से धनुष तोड़े थे तब किसी ने कोई विरोध नहीं किया था फिर इस समय ऐसा रोष क्यों है।

ii. (d) सयानी

Explanation: लड़की अभी सयानी नही थी ।

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. गर्मी की उमस भगत जी के स्वरों को निढाल नहीं कर पाती थी, बल्कि उनके संगीत से वातावरण शीतल हो जाता था। अपने घर के आंगन में आसन जमा बैठते। गांव के कुछ संगीत प्रेमी भी उनका साथ देते। खंजड़ी और करतालों की संख्या बढ़ जाती। एक पद गोविंद जी कहते, पीछे उनकी मंडली उसे दूसरी बार तीसरी बार बोलती जाती। एक निश्चित ताल, एक निश्चित गति से धीरे धीरे स्वर ऊंचा होने लगता। उस ताल- स्वर् चढ़ाव के साथ श्रोताओं के मन भी ऊपर उठने लगते। धीरे धीरे मन - तन पर हावी हो जाता अर्थात लोगों के मन के साथ साथ उनका शरीर भी झूमने लगता। एक क्षण ऐसा भी आता जब भगत जी नाच रहे होते तथा सभी उपस्थित लोगों के तन मन भी झूम रहे होते । सारा आंगन नृत्य और संगीत से भरपूर हो जाता तथा गर्मी की उमस भी शीतल प्रतीत होने लगती।

ii. खीरों की फांकों को खिड़की से बाहर फेंकने से पहले नवाब साहब नाक के पास वासना से रसास्वादन के लिए ले गए थे | उनके इस क्रियाकलाप का उद्देश्य यह दिखाना था कि खीरा खाकर पेट भरना तो सामान्य मनुष्य का काम है | हम जैसे रईस तो उसे सूंघने मात्र से ही संतुष्ट हो जाते हैं |

iii. शीला अग्रवाल जैसी प्राध्यापिका किसी भी विद्यार्थी के जीवन को इस प्रकार सँवार सकती हैं-

a. विद्यार्थी का उचित मार्गदर्शन करके |
b. उसकी सोच-समझ का दायरा बढ़ाकर |
c. उसकी रुचियों का विकास करने का अवसर देना |
d. स्वयं को उनके समक्ष आदर्श रूप में प्रस्तुत करके |

iv. फादर बुल्के की जन्मभूमि बेल्जियम में रेम्सचेंपल थी | उन्होंने अपनी कर्मभूमि भारत को बनाया। कर्मभूमि भारत की सभ्यता और संस्कृति स वे बहुत प्रभावित थे | साथ ही उनके मन में हिन्दू धर्म के मर्म को समझने की जिज्ञासा थी |

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. कन्या के दान से अभिप्राय है लड़की की शादी के बाद विदाई। लेकिन 'कन्यादान' शब्द से यह अभिप्राय नहीं है कि उससे हमेशा के लिए संबंध विच्छेद हो गया है। लड़की को अपनी इच्छानुसार वस्तुएँ दी जाती हैं दान की जाती हैं किन्तु उसे कन्या का दान देना नहीं कहा जा सकता। और दान तो किसी वस्तु का किया जाता है और कन्या कोई वस्तु तो है नहीं। उसका अपना एक अलग जीवन होता है जिसमें रुचि, पसंद, इच्छा,अनिच्छा आदि होती है। वह किसी वस्तु की भाँति निर्जीव नहीं है। दान देने के बाद दानदाता का वस्तु से कोई संबंध नहीं रह जाता है, परंतु कन्या का संबंध आजीवन माता-पिता से बना रहता है। कन्या एक वस्तु जैसी कभी भी नहीं हो सकती है इसलिए कन्या को दान देने जैसी बात करना पूर्णतया अनुचित है।

ii. फाल्गुन का मौसम तथा दृश्य अत्यंत मनोमोहक होता है। चारो तरफ का दृश्य अत्यंत स्वच्छ तथा हरा भरा दिखाई दे रहा है। पेड़ों पर कही हरी तो कही लाल पत्तिया हैं, फूलों की मंद-मंद खुसबू हृदय को मुग्ध कर लेती है। इसलिए कवी की आँख फाल्गुन की सुंदरता से हट नहीं रही है।

iii. शिवधनुष को त्रिपुरारिधनु के नाम से जाना जाता है। और यह सारे संसार में विश्व विख्यात शिवजी का विनाशक,

प्रलयकारी धनुष है जिससे भगवान परशुराम ने इस धरती को शस्त्रों बार क्षत्रिय विहीन किया है । इसे पिनाक के नाम से भी जानते हैं। यह एक विजय धनुष है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. भोलानाथ बचपन में तरह-तरह के नाटक खेला करते थे। चबूतरे का एक कोने को ही नाटकघर बना लिया जाता था। बाबूजी जिस छोटी चौकी पर बैठकर नहाते थे, उसे रंगमंच के रूप में काम में लिया जाता था। सरकंडे के खम्भों पर कागज का चंदोआ उस रंगमंच पर तान दिया जाता था | वहीँ पर मिठाइयों की दुकान लगाई जाती। इस दुकान में चिलम के खोंचे पर कपड़े के थालों में ढेले के लड्डू, पत्तों की पूरी-कचौरियाँ, गीली मिट्टी की जलेबियाँ, फूटे घड़े के टुकड़ों के बताशे आदि मिठाइयाँ सजाई जातीं । ठीकरों के बटखरे और जस्ते के छोटे टुकड़ों के पैसे बनते । इससे भोलानाथ का यह व्यक्तित्व उभरकर आता है कि वह घर की अनावश्यक वस्तुओं को ही खिलौने बना लेते थे | आज की तरह वे दिखावे से कोसों दूर थे |

ii. नाक मान - सम्मान एवं प्रतिष्ठा का सदा से ही प्रतीक रही हैं। इसी नाक को विषय बनाकर लेखक ने देश की सरकारी व्यवस्था, मंत्रियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की गुलाम मानसिकता पर करारा प्रहार किया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के संघर्ष में अंग्रेजों की करारी हार को उनकी नाक कटने का प्रतीक माना, तथापि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भी भारत में स्थान-स्थान पर अंग्रेजी शासकों की मूर्तियाँ स्थापित हैं, जो स्वतंत्र भारत में हमारी गुलाम या परतंत्र मानसिकता को दिखाती हैं। हिंदुस्तान में जगह - जगह ऐसी ही नाकें खड़ी इन नाकों तह यहाँ के लोगों के हाथ पहुँच गए थे , तभी तो जार्ज पंचम की नाक गायब हो गयी थी |जॉर्ज पंचम की मूर्ति की नाक एकाएक गायब होने की खबर ने सरकारी महकमों की रातों की नींद उड़ा दी। सरकारी महकमें रानी एलिजाबेथ के आगमन से पूर्व किसी भी तरह जार्ज पंचम की नाक लगवाने का हर संभव प्रयास करते हैं। इसी प्रयास में वह देश के महान देशभक्तों एवं शहीदों की नाक तक को उतार लाने का आदेश दे देते हैं किन्तु उन सभी की नाक जार्ज पंचम की नाक से बड़ी निकली, यहाँ तक कि बिहार में शहीद बच्चों तक की नाक जार्ज पंचम से बड़ी निकलती है।अर्थात यहाँ के नेता एवं बच्चों का सम्मान जार्ज पंचम से अधिक था |

iii. प्रकृति के उस अनंत और विराट स्वरूप को देखकर लेखिका को असीम आत्मीय सुख की अनुभूति होती है। इन सारे दृश्यों में जीवन के सत्य को लेखिका ने अनुभव किया। किसी ऋषि की तरह शांत होकर वह सारे परिदृश्य को अपने भीतर समेट लेना चाहती थी। वह रोमांचित थी, पुलकित थी। इस वातावरण में उसको अद्भुत शान्ति प्राप्त हो रही थी। इन अद्भुत व अनूठे नज़ारों ने लेखिका को पल मात्र में ही जीवन की शक्ति का अहसास करा दिया। उसे ऐसा अनुभव होने लगा मानो वह देश और काल की सरहदों से दूर बहती धारा बनकर बह रही हो और उसके अंतरमन की सारी तामसिकताएँ और सारी वासनाएँ इस निर्मल धारा में बह कर नष्ट हो गई हों और वह चीरकाल तक इसी तरह बहते हुए असीम आत्मीय सुख का अनुभव करती रहे।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **स्वास्थ्य की रक्षा**

वर्तमान समय में प्रत्येक मनुष्य की जीवन-शैली इतनी भागदौड़ से भर गई है कि वे अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर पाने में असमर्थ हो चुके हैं। जहाँ पहले के समय में व्यक्ति की औसत आयु 75 वर्ष थी, वह आज घटकर 60 वर्ष हो गई है। स्वास्थ्य की रक्षा बहुत ही आवश्यक है। खराब स्वास्थ्य के साथ व्यक्ति कोई भी कार्य उचित तौर-तरीके से नहीं कर पाता

है। प्रत्येक व्यक्ति को आधारभूत वस्तुओं का संचय करने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। कहा जाता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसीलिए स्वास्थ्य की रक्षा हमारे लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पोषक भोजन लेना अति आवश्यक है।

हरी सब्जियाँ, दूध, दही, फल आदि का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है। आजकल जंकफूड और फास्ट फूड का प्रचलन अपने चरम पर है। इसकी चपेट में लाखों लोग आ चुके हैं। और इसी कारण वे अपना स्वास्थ्य खराब कर चुके हैं। आजकल के बच्चों को मोटापा, सुस्ती व भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमारियों ने जकड़ लिया है। हमें जंक फूड एवं फास्ट-फूड से दूरी बनाते हुए पौष्टिक आहार लेने चाहिए, जिससे हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए, अपने और दूसरों के जीवन को खुशियाँ प्रदान कर सकें।

ii. **आज की बचत कल का सुख**

वर्तमान आय का वह हिस्सा, जो तत्काल व्यय (खर्च) नहीं किया गया और भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया 'बचत' कहलाता है। पैसा सब कुछ नहीं रहा, परंतु इसकी ज़रूरत हमेशा सबको रहती है। आज हर तरफ़ पैसों का बोलबाला है, क्योंकि पैसों के बिना कुछ भी नहीं। आज जिंदगी और परिवार चलाने के लिए पैसे की ही अहम भूमिका होती है। आज के समय में पैसा कमाना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक कठिन है। पैसे को अपने भविष्य के लिए सुरक्षित बचाकर रखना, क्योंकि अनाप-शनाप खर्च और बढ़ती महँगाई के अनुपात में कमाई के स्रोतों में कमी होती जा रही है, इसलिए हमारी आज की बचत ही कल हमारे भविष्य को सुखी और समृद्ध बना सकने में अहम भूमिका निभाएगी।

जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, जैसे आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, रोग या अन्य शारीरिक पीड़ाएँ घेर लेती हैं, तब हमें पैसों की बहुत आवश्यकता होती है। यदि पहले से बचत न की गई तो विपत्ति के समय हमें दूसरों के आगे हाथ फैलाने पड़ सकते हैं।

हमारी आज की छोटी-छोटी बचत या धन निवेश ही हमें भविष्य में आने वाले तमाम खर्चे का मुफ़्त समाधान कर देती हैं। आज की थोड़ी-सी समझदारी आने वाले भविष्य को सुखद बना सकती है। बचत करना एक अच्छी आदत है, जो हमारे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिए भी लाभदायक सिद्ध होती है। किसी ज़रूरत या आकस्मिक समस्या के आ जाने पर बचाया गया पैसा ही हमारे काम आता है। संक्षेप में कह सकते। हैं कि बचत करके हम अपने भविष्य को सँवार सकते हैं।

iii. महापुरुषों ने कहा है, "समय बहुत मूल्यवान है। एक बार निकल जाने पर यह कभी वापस नहीं आता।" वास्तव में, समय ही जीवन है। इसकी गति को रोकना असंभव है। संसार में अनेक उदाहरण हैं, जो समय की महत्ता को प्रमाणित करते हैं। जिसने समय के मूल्य को नहीं पहचाना, वह हमेशा पछताया है। इसके महत्त्व को पहचानकर इसका सदुपयोग करने वाले व्यक्तियों ने अपने जीवन में लगातार सफलता प्राप्त की। जो व्यक्ति समय मिलने पर भी अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाते, वे जीवन में असफल रहते हैं।

जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई नहीं करते, वे फेल होने पर पछताते हैं। तब यह उक्ति कि 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' चरितार्थ होती है। विद्यार्थी को समय का मूल्य पहचानते हुए हर पल का सदुपयोग करना चाहिए, क्योंकि जो समय को नष्ट करता है, एक दिन समय उसे नष्ट कर देता है। महान् पुरुषों ने समय का सदुपयोग किया और अपने जीवन में सफल हुए। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। अतः हमें समय की महत्ता को समझते हुए इसका सदुपयोग करना चाहिए।

15. नेशनल पब्लिक स्कूल
लवकुश नगर, जोधपुर
दिनांक: 17 जनवरी, 2019
प्रिय मित्र अरुण
नमस्कार
काफी दिनों से तुम्हारा कुशल समाचार प्राप्त नहीं हुआ। घर में सब कैसे हैं। मैंने नेशनल पब्लिक स्कूल जयपुर में 11वीं कक्षा में प्रवेश ले लिया है तथा मुझे हॉस्टल भी मिल गया है। अभी पिछले सप्ताह पास के एक गाँव में हमारे विद्यालय के 50 छात्रों का राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत कैम्प लगा था। जिसमें मुझे भी सम्मिलित होने का अवसर मिला। हमारा मूल उद्देश्य गाँव में सफाई अभियान चलाना था | जिसके अंतर्गत हमें गाँव वालों को जागरूक करने के साथ उन्हें सफाई के महत्त्व से भी अवगत कराना था । हमारे प्रभारी अध्यापक पाण्डेय जी के नेतृत्व में 10-10 छात्रों की टोली बनाई गई और सारे गाँव को पाँच भाग में बाँटकर हमने सफाई प्रारम्भ की । विश्वास करें कि थोड़ी ही देर में हमारी टोलियों में स्थानीय नवयुवकों भी अच्छी खासी तादाद श्रमदान हेतु सम्मिलित हो गई और सात दिनों के इस शिविर के उपरान्त गाँव पूरी तरह साफ-सुथरा हो गया। उन नवयुवको में से कई हमारे बहुत अच्छे मित्र बन गए। दिन भर कार्य करने के बाद हम सब अपने शिविरों के सामने इकट्ठा होकर कबड्डी, खो-खो आदि खेल खेलते थे।
यही नहीं प्रतिदिन सांयकालीन सत्र गाँव के मुखिया जी की अध्यक्षता में एक सभा की जाती | जिसमें ग्रामीण जनों के सम्मुख कोई विद्वान भाषण देता था। भाषण का विषय विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं साफ-सफाई से सम्बंधित होता था।
शिविर के समापन पर पूरा गाँव हमें जागरूक दिखाई पड़ा। अंतिम दिन मुखिया जी हमारे कार्यों की प्रशंसा की और हमारे लिये शानदार भोज का आयोजन किया । विद्यालय में भी सभी के सामने प्रधानाचार्य जी ने हमें सम्मानित किया।
ऐसे शिविरों को यही उद्देश्य भी होता है। जब भी जोधपुर आओगे तब तुम्हें उस गाँव के भ्रमण पर अवश्य ले चलूँगा और अपने उन नए मित्रों से अवश्य मिलवाऊँगा। शेष कुशल है। अपने माता-पिता को मेरा प्रमाण कहना।
पत्र की प्रतीक्षा रहेगी
तुम्हारा मित्र
मोहित कुमार
कक्षा 11 (अ)

OR

सेवा में,
महाप्रबंधक,
दिल्ली परिवहन निगम,
सिंधिया हाउस,
नई दिल्ली
विषय- कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी के दुस्साहस के संबंध में
महोदय,

मैं दिल्ली परिवहन नगर निगम की ओर से संचालित बसों का नियमित यात्री हूँ | इस पत्र के द्वारा आपका ध्यान आपके विभाग के एक साहसी तथा कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी (बस कंडक्टर) के व्यवहार की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ तथा आशा करता हूँ कि आप उस कर्मचारी को उचित पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगे।

मैं दिनांक 8 जून को विकासपुरी मोड़ से 851 रूट की बस न. डी एल-आई पी -7486 में प्रातःकालः 7:30 बजे चढ़ा। बस में काफी भीड़ थी। अतः मैं पीछे ही खड़ा था। बस मोती नगर पहुँची थी कि आठ-दस लोगों की भीड़ पीछे से चढ़ी और तभी मेरी जेब से मेरा पर्स गायब हो गया। मैंने शोर मचाया तो एक व्यक्ति बस से कूदकर भाग निकला। कंडक्टर श्री रविकांत ने बस रुकवाई और उसके पीछे भाग लिया और उसे दौड़ता देख मैं भी अन्य लोगों के साथ दौड़ा लेकिन तेजी से आगे दौड़ते हुये रविकांत ने उसे पीछे से धर दबोचा। तभी उस व्यक्ति ने चाकू दिखाया मगर इसका रविकांत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। देखते ही देखते उस गुंडे के साथी भी वहाँ आ पहुँचे ,उनके इरादे भाँप कर मैंने रविकांत से वापस आने को कहा किन्तु उसने साहस दिखाते हुये उनका सामना किया तथा उसे पुलिस के हवाले कर दिया। मेरा पर्स सही सलामत मुझे वापस मिल गया। मैंने उसे सौ रुपये पुरस्कार स्वरूप देने चाहे मगर उसने सधन्यवाद लौटा दिए। ऐसे कर्त्तव्यनिष्ठ एवं साहसी कर्मचारी कम ही देखने को मिलते हैं जो अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की सहायता करते है। अतः आपसे निवेदन है कि परिवहन विभाग श्री दिनेश जिनका बैज न. 34560 है, को सम्मानित करके अन्य कर्मचारियों के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करें।

भवदीय

गोविन्द सिंह

755, कैलाशपुरी,

नई दिल्ली

दिनांक-17 जनवरी, 2019

16.

आपके दाँतों को रखे चमकदार, ताज़गी को सदा रखे बरकरार

चमक दंत टूथपेस्ट

चमक दंत टूथपेस्ट की विशेषताएँ-

- **सबसे सस्ता, सबसे अच्छा**
- **मजबूत दाँत**
- **स्वस्थ मसूड़े**
- **दुर्गंध से छुटकारा**

- **कीटाणुओं का सफाया**
- **दाँतों के पीलेपन से छुटकारा**
- **दांतों के दर्द से आजादी**

मूल्य सिर्फ़ 10 से 35 रूपए तक
सभी मुख्य स्टोर पर उपलब्ध

OR

चित्र प्रदर्शनी

उभरते चित्रकारों द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है।
इच्छुक व्यक्ति प्रदर्शनी में अपने पसंदीदा चित्र आकर्षक कीमत पर खरीद भी सकते हैं।
नोट :- आपकी उपस्थिति कलाकारों की हौसला अफजाई करेगी।
स्थान- मंडी हाउस, नई दिल्ली में
दिनांक - 17 जनवरी से 19 जनवरी, 2019 तक
समय - प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक

17.

संदेश

दिनांक: 31 दिसंबर, 2020
समय: रात्रि 12:01 बजे
प्रिय गोविन्द
नव वर्ष की पावन बेला में मेरी यही शुभकामनाएँ है कि प्रत्येक दिन आपके जीवन में एक शुभ संदेश लेकर आए। आपको व आपके परिवार को मेरी ओर से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।
आपका परम मित्र
गिरीश

OR

संदेश

22 मार्च 2020

रात्रि 8:00 बजे

मेरे प्यारे भाइयों और बहनों,

आज रात 12 बजे से कोरोना महामारी से बचाव हेतु पूरे देश में **सम्पूर्ण लॉकडाउन** लागू होने जा रहा है। सम्पूर्ण लॉकडाउन के दौरान जरूरी सेवाएँ जारी रहेंगी। 21 दिन का लॉकडाउन लंबा समय है, लेकिन आपके और आपके परिवार की रक्षा के लिए, उतना ही महत्त्वपूर्ण है।

लॉकडाउन का पालन करें सुरक्षित रहें।

नरेंद्र मोदी